ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – नैनीताल

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे **निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून**

वर्षः 28	अंकः 25	बुलेटिन अवधिः : 27–31 मार्च, 2019	दिनः मंगलवार	दिनाँकः 26 मार्च, 2019

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **नैनीताल जिले के पर्वतीय व मैदानी क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	**मौसम पूर्वानुमान – नैनीताल**				
	27/03/2019	**28/03/2019**	**29/03/2019**	**30/03/2019**	**31/03/2019**
वर्षा (मिमी0)	0	0	0	3	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	20	21	22	23	24
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	7	8	9	10	10
बादल आच्छादन	साफ	मध्यम बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल	मध्यम बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	75	75	75	75	75
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	35	35	35	35	35
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	006	004	004	004	008
वायु की दिशा	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–उत्तर–पश्चिम	उत्तर–उत्तर–पश्चिम

भारत मौसम विज्ञान विभाग के नैनीताल स्थित मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–2084 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (19–25 मार्च 2019) में आसमान साफ रहने के मध्यम से घने बादल छाये रहे तथा अधिकतम तापमान 17.0 से 21.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 5.0 से 7.7 डि0से0 के बीच रहा। ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानो हेतु कृषि सलाह
गेहूं	दुग्धावस्था	गेहूँ की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा कीड़े एवं अन्य बीमारियों के प्रकोप हो रहा हो तो अनुमोदित कीटनाशियों का प्रयोग करें।
प्याज	निराई–गुडाई	प्याज की फसल मे निराई–गुडाई करे।
शिमला मिर्च, टमाटर, बैंगन	रोपण	घाटी क्षेत्रों में टमाटर, शिमलामिर्च तथा बैंगन की तैयार पौध का रोपण 60 से 60 से0मी0 दूरी पर इस माह पूरा करें। सीमित सिंचाई वाले क्षेत्रों के लिए शिमलामिर्च, टमाटर, बैंगन एवं मिर्च बीजों की बुवाई पौधशाला में करें।
टमाटर, मिर्च	रोपाई	टमाटर व मिर्च की फसल मे रोपाई करने से पूर्व जड़ो को एमिडाक्लोरपिड 1 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर 10–15 मिनट तक डुबाने के बाद रोपाई करे। टमाटर व मिर्च की फसल मे अगेती रोपी गई फसल में सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करे। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें।
उद्यान प्रबन्ध	–	बगीचो में अधिक फल उत्पादन हेतू मधुमक्खियो से भरे बक्सों का प्रबन्ध लगभग 2–3 बक्से/एकड़ के हिसाब से करे। कीड़ो एवं रोगों के निराकरण हेतु बगीचो मे फूल आते समय नियंत्रक दवाईयों का प्रयोग कतई न करें। इससे मधुमक्खियों के मरने का डर रहता है।
पशुपालन	–	गर्भवती पशुओ में प्यूरपरल बुखार को रोकने के लिए, प्रतिदिन 50–60 ग्राम खनिज मिश्रण को पशुओं की प्रतिरक्षा को बढ़ाने हेतु आहार के रूप में दें। इस समय पशुओं में बॉझपन और जोहन की बीमारी होने की अधिक संम्भावना है। इस स्थिति में पशुओ का तत्काल इलाज करवाए। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10–15सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10–15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।

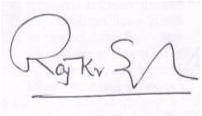

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर